>

18.11 hrs

(Dr. Raghuvansh Prasad Singh in the Chair)

Title: Alleged technical irregularities in the construction of bridges over river Ganges in Patna and Mokama, Bihar.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): महोदय, मैं उस बात की तरफ सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं, जिस बात की तरफ माननीय रघुवंश जी भी सरकार का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं। उत्तर-दक्षिण बिहार को जोड़ने वाले दो पुल हैं एक पटना का है और दूसरा मोकामा का है। मोकामा का पुल लगभगर 50 वर्ष पुराना है, उसकी हालत बहुत खराब है। बार-बार मरम्मत होने के कारण उस पर बड़े वाहन का चलना बंद है, जिसके कारण एनएच-57 और जितनी उत्तर बिहार की सड़कें हैं, उन सड़कों के लिए से मैटीरियल जाना बंद हो गया है। जो गंगा का पुल है, मैसर्स गैमेन इंडिया लिमिटेड ने 1972 से 1982, तथा 1983 और 1987 के बीच दो लेन का निर्माण किया। 14-15 वर्ष बीतते-बीतते दोनों लेन जर्जर हो गई हैं और अब तक 94 करोड़ रुपया मरम्मत पर खर्च हो गए हैं और 101 करोड़ रुपए उस पर और खर्च करने की योजना है। इसी सदन में सरकार ने 9 मार्च 2010 को अतारांकित प्रश्न संख्या 1904 में स्वीकार किया है। मेरा कहना है कि जब यह पुल 15 साल के अंदर जर्जर हो गया, तो बनाने वाली कम्पनी ने कन्स्ट्रक्शन में गलती की है, आर्किटेक्चर ने गलती की है, कन्सल्टेंट ने गलती की है और उसे बनाने वाले जो इंजीनियर्स थे, उस कम्पनी के साथ सांठ-गांठ करके गंगा पुल को जितना बनाने में खर्चा नहीं आया था, उतना मरम्मत पर खर्चा हो गया, लेकिन उस पर छह चक्के से अधिक वाले ट्रक जाने बंद हैं, जिसके कारण उत्तर बिहार में बिल्डिंग मैटीरियल, रोड मैटीरियल, कन्स्ट्रक्शन मैटीरियल जाना बंद हो गया है।

सभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि एनएच और एनएचआई दोनों मिल कर और कुछ ऑफिसर मिल कर इस कंस्ट्रक्शन कम्पनी को बचाने के लिए सत्य को छिपाते है। मैं जब उनसे पूछता हूं कि उसका मूल प्राक्कलन कितना था तो एनएच और एनएचआई बताने के लिए तैयार नहीं है। उसका कंसलटेंट कौन था, यह बताने को वे तैयार नहीं हैं। इसलिए लगता है कि गहरे षडयंत्र के तहत एनएचआई और कुछ आफिसर लोग मिल कर इस बात को छिपा रहे हैं। गेमन इंडिया ने इतना बड़ा घोटाला और अन्याय किया है। बिहार के दोनों पुल जर्जर हो चुके हैं, इसलिए आज हम उत्तर-बिहार कोई भी साधन या चीज दक्षिण-बिहार से सड़क के मार्फत नहीं ले जा सकते हैं।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान इस तरफ आकृष्ट करता हूं कि जल्दी से जल्दी इन पुलों की मरम्मत कराएं। इसके लिए अधिक से अधिक पैसा दें, उस पर वाहन चलाएं। एनएच 57, जो ईस्ट-वेस्ट कोरीडोर है, वह जल्दी समय पर पूरा हो, इसकी व्यवस्था करे। गेमन इंडिया लिमिटेड ने बिहार के साथ जो दगाबाजी एवं घोटाला किया है, उसे ब्लैक लिस्टेड करे, उस पर मुक्दमा चलाए और उस इंजीनियर को जेल में बंद करे।